

**UGC NET December 2019-Dec**

**Read the following passage carefully and answer question numbers from 6 to 11:**

In terms of labour, for decades the relatively low cost and high quality of Japanese workers conferred considerable competitive advantage across numerous durable goods and consumer electronics industries (eg. Machinery, automobiles, televisions, radios). Then labour-based advantages shifted to South Korea, then to Malaysia, Mexico and other nations. Today, China appears to be capitalizing best on the basis of labour. Japanese firms still remain competitive in markets for such durable goods, electronics and other products, but the labour force is no longer sufficient for competitive advantage over manufacturers in other industrializing nations. Such shifting of labour-based advantage is clearly not limited to manufacturing industries. Today, a huge number of IT and service jobs are moving from Europe and North America to India, Singapore, and like countries with relatively well-educated, low-cost workforces possessing technical skills. However, as educational levels and technical skills continue to rise in other countries, India, Singapore, and like nations enjoying labour-based competitive advantage today are likely to find such advantage cannot be sustained through emergence of new competitors.

In terms of capital, for centuries the days of gold coins and later even paper money restricted financial flows. Subsequently regional concentrations were formed where large banks, industries and markets coalesced. But today capital flows internationally at rapid speed. Global commerce no longer requires regional interactions among business players. Regional capital concentrations in places

such as New York, London and Tokyo still persist, of course, but the capital concentrated there is no longer sufficient for competitive advantage over other capitalists distributed worldwide. Only if an organization is able to combine, integrate and apply its resources (eg. Land, labour, capital, IT) in an effective manner that is not readily imitable by competitors can such an organization enjoy competitive advantage sustainable overtime.

In a knowledge-based theory of the firm, this idea is extended to view organizational knowledge as a resource with atleast the same level of power and importance as the traditional economic inputs. An organization with superior knowledge can achieve competitive advantage in markets that appreciate the application of such knowledge. Semiconductors, genetic engineering, pharmaceuticals, software, military warfare, and like knowledge-intensive competitive arenas provide both time-proven and current examples. Consider semiconductors (e.g. computer chips), which are made principally of sand and common metals. These ubiquitous and powerful electronic devices are designed within common office buildings, using commercially available tools, and fabricated within factories in many industrialized nations. Hence, land is not the key competitive resource in the semiconductor industry.

**श्रम के संदर्भ में, दशकों के लिए जापानी श्रमिकों की अपेक्षाकृत कम लागत और उच्च गुणवत्ता ने कई टिकाऊ सामानों और उपभोग्यंत्र उद्योगों (जैसे मशीनरी, ऑटोमोबाइल, टीवी, रेडियो) में काफी प्रतिस्पर्धात्मक लाभ दिया। फिर श्रम आधारित फायदे दक्षिण कोरिया, फिर मलेशिया, मैक्सिको और अन्य देशों में स्थानांतरित**

हो गए। आज चीन श्रम के आधार पर सबसे अच्छा पूंजीकरण करता दिखाई दे रहा है। जापानी फर्म अभी भी इस तरह के टिकाऊ सामान, इलेक्ट्रॉनिक्स और अन्य उत्पादों के लिए बाजारों में प्रतिस्पर्धी बनी हुई हैं, लेकिन अन्य औद्योगिक राष्ट्रों में निर्माताओं पर प्रतिस्पर्धात्मक लाभ के लिए श्रम बल अब पर्याप्त नहीं है। श्रम आधारित लाभ की ऐसी शिफ्टिंग स्पष्ट रूप से विनिर्माण उद्योगों तक सीमित नहीं है। आज, बड़ी संख्या में आईटी और सेवा नौकरियां यूरोप और उत्तरी अमेरिका से भारत, सिंगापुर में जा रहे हैं, और अपेक्षाकृत अच्छी तरह से शिक्षित, कम लागत वाले तकनीकी कौशल वाले देशों की तरह हैं। हालाँकि, जैसे-जैसे अन्य देशों, भारत, सिंगापुर में शैक्षिक स्तर और तकनीकी कौशल में वृद्धि जारी है, और श्रम आधारित प्रतिस्पर्धात्मक लाभ का आनंद लेने वाले राष्ट्रों को आज ऐसे लाभ मिलने की संभावना है जो नए प्रतियोगियों के उदय के माध्यम से निरंतर नहीं रह सकते हैं।

पूंजी के संदर्भ में, सदियों से सोने के सिक्के और बाद में भी कागज के पैसे ने वित्तीय प्रवाह को प्रतिबंधित किया। इसके बाद क्षेत्रीय सांद्रता का गठन किया गया, जहां बड़े बैंकों, उद्योगों और बाजारों को मिला दिया गया। लेकिन आज पूंजी तीव्र गति से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बहती है। वैश्विक वाणिज्य को अब व्यावसायिक खिलाड़ियों के बीच क्षेत्रीय सहभागिता की आवश्यकता नहीं है। न्यूयॉर्क, लंदन और टोक्यो जैसे स्थानों में क्षेत्रीय पूंजी सांद्रता अभी भी बनी हुई है, लेकिन राजधानी केंद्रित है जो दुनिया भर में वितरित अन्य पूंजीपतियों पर प्रतिस्पर्धात्मक लाभ के लिए पर्याप्त नहीं है।

केवल तभी जब कोई संगठन अपने संसाधनों को संयोजित, एकीकृत और लागू करने में सक्षम हो (जैसे। भूमि, श्रम, पूंजी, आईटी) एक प्रभावी तरीके से, जो प्रतियोगियों द्वारा आसानी से लागू नहीं होता है, इस तरह के संगठन प्रतिस्पर्धात्मक लाभ स्थायी ओवरटाइम का आनंद ले सकते हैं।

फर्म के एक ज्ञान-आधारित सिद्धांत में, इस विचार को संगठनात्मक ज्ञान को एक संसाधन के रूप में देखने के लिए विस्तारित किया जाता है, जिसमें पारंपरिक आर्थिक आदानों के समान शक्ति और महत्व का स्तर होता है। बेहतर ज्ञान वाला एक संगठन बाजारों में प्रतिस्पर्धात्मक लाभ प्राप्त कर सकता है जो इस तरह के ज्ञान के आवेदन की सराहना करता है। अर्धचालक, आनुवंशिक इंजीनियरिंग, फार्मास्यूटिकल्स, सॉफ्टवेयर, सैन्य युद्ध, और ज्ञान-गहन प्रतिस्पर्धी एरेनास की तरह दोनों समय-सिद्ध और वर्तमान उदाहरण प्रदान करते हैं। अर्धचालकों (जैसे कंप्यूटर चिप्स) पर विचार करें, जो मुख्य रूप से रेत और सामान्य धातुओं से बने होते हैं। ये सर्वव्यापी और शक्तिशाली इलेक्ट्रॉनिक उपकरण व्यावसायिक रूप से उपलब्ध उपकरणों का उपयोग करके और कई औद्योगिक देशों में कारखानों के भीतर निर्मित, सामान्य कार्यालय भवनों के भीतर डिज़ाइन किए गए हैं। इसलिए, भूमि अर्धचालक उद्योग में महत्वपूर्ण प्रतिस्पर्धी संसाधन नहीं है।

6. Which country enjoyed competitive advantages in automobile industry for decades?

(1) South Korea

- (2) Japan
- (3) Mexico
- (4) Malaysia

**6. किस देश को दशकों तक ऑटोमोबाइल उद्योग में प्रतिस्पर्धात्मक लाभ मिला?**

- (१) दक्षिण कोरिया
- (२) जापान
- (३) मैक्सिको
- (४) मलेशिया

**7. Why labour-based competitive advantages of India and Singapore cannot be sustained in IT and service sectors?**

- (1) Due to diminishing levels of skill.
- (2) Due to capital-intensive technology making inroads.
- (3) Because of new competitors.
- (4) Because of shifting of labour-based advantage in manufacturing industries.

**7. आईटी और सर्विस सेक्टर में भारत और सिंगापुर के श्रम आधारित प्रतिस्पर्धात्मक लाभ क्यों नहीं बनाए जा सकते?**

- (1) कौशल के घटते स्तर के कारण।
- (2) पूँजी-सघन प्रौद्योगिकी के कारण अतिक्रमण करना।
- (3) नए प्रतियोगियों के कारण।
- (4) विनिर्माण उद्योगों में श्रम आधारित लाभ के स्थानांतरण के कारण।

**8. How can an organisation enjoy competitive advantage sustainable overtime?**

- (1) Through regional capital flows.
- (2) Through regional interactions among business players.
- (3) By making large banks, industries and markets coalesced.
- (4) By effective use of various instrumentalities.

8. एक संगठन प्रतिस्पर्धात्मक लाभ स्थायी ओवरटाइम का आनंद कैसे ले सकता है?

- (1) क्षेत्रीय पूँजी प्रवाह के माध्यम से।
- (2) व्यावसायिक खिलाड़ियों के बीच क्षेत्रीय बातचीत के माध्यम से।
- (3) बड़े बैंकों, उद्योगों और बाजारों को मिलाकर बनाया गया।

(४) विभिन्न वाद्य यंत्रों के प्रभावी उपयोग से।

**9. What is required to ensure competitive advantages in specific markets?**

- (1) Access to capital
- (2) Common office buildings
- (3) Superior knowledge
- (4) Common metals

9. विशिष्ट बाजारों में प्रतिस्पर्धात्मक लाभ सुनिश्चित करने के लिए क्या आवश्यक है?

- (1) पूंजी तक पहुंच
- (2) सामान्य कार्यालय भवन
- (3) श्रेष्ठ ज्ञान
- (४) सामान्य धातु

**10. The passage also mentions about the trend of**

- (1) Global financial flow
- (2) Absence of competition in manufacturing industry

(3) Regionalisation of capitalists

(4) Organizational incompatibility

10. बीतने के रुझान के बारे में भी उल्लेख किया गया है

(१) वैश्विक वित्तीय प्रवाह

(2) विनिर्माण उद्योग में प्रतिस्पर्धा की अनुपस्थिति

(३) पूंजीपतियों का क्षेत्रीयकरण

(4) संगठनात्मक असंगति

**Ans-**

**1-**(2) Japan

**2-**(3) Because of new competitors.

**3-**(4) By effective use of various instrumentalities.

**4-**(3) Superior knowledge

**5-**(1) Global financial flow